मोदी सरकार ने तेज की अर्थव्यवस्था की रफ्तार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत दुनिया के मानचित्र पर आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्ध देश के रूप में स्थापित हो गया है। दशकों पूर्व हमारे देश की गिनती दुनिया के गरीब देशों में होती थी। हम खाद्यान्न से लेकर सभी जरूरत की वस्तुओं के लिए आयात पर निर्भर रहते थे। लेकिन, प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि, नेक इरादा और नेतृत्व की कुशलता ने आज हमारी स्थिति को बदल दिया है।

आज भारत दुनिया को निर्यात करने वाला देश बन गया है वर्ष 2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे, उस समय भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) 2.04 लाख करोड़ डॉलर का था जो वर्ष 2019 तक 2.87 लाख करोड़ डॉलर हो गया।

कोरोना महामारी के कारण पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था चरमरा गई, लेकिन नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व के कारण भारत में मामूली असर पड़ा। चालू वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की जी.डी.पी. 3 लाख करोड़ डॉलर को पार कर सकती है। इसी तरह प्रति व्यक्ति आय के मामले में भी भारत काफी पीछे था, लेकिन इस स्तर पर भी पिछले 8 साल में यह तेजी से बढ़ा है। मोदी सरकार जब सत्ता में आई उस समय प्रति व्यक्ति सालाना आय मात्र 79,000 रुपए थी, जो अब बढ़कर 1.50 लाख रुपए हो चुकी है।

महामारी और वर्तमान में रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच भारत की विकास यात्रा जारी रही। विभिन्न क्षेत्रों में विकास की तेज रफ्तार के कारण ही भारत 200 वर्षों तक हम पर राज करने वाले ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए आज दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है। विभिन्न सर्वेक्षणों में कहा गया है कि अर्थव्यवस्था की यह रफ्तार जारी रही तो 2029 तक भारत जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

तरुण चुघ
(राष्ट्रीय महामंत्री, भाजपा)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 8 साल के कार्यकाल में आर्थिक विकास की बदौलत भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। इसके कारण देश आज आत्मनिर्भर हो चला है। इसमें जी.एस.टी. लागू करने से हमारी कर व्यवस्था में सुधार हुआ, जिससे सरकारी राजस्व में वृद्धि के साथ ही व्यापारी और आम लोगों को भी सहूलियत हुई।

सभी गांवों का विद्युतीकरण किया गया, जिसके बाद लघु एवं कुटीर उद्योगों में वृद्धि हुई। 'मेक इन इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया', 'पी.एल.आई. स्कीम', 'दीवालिया कानून', 'ईज आफ डूइंग बिजनैस', 'डिजिटलीकरण' जैसे सुधार कार्यक्रम प्रमुख रूप से शामिल हैं। 'जनधन योजना' के कारण आज देश की अर्थव्यवस्था से पूरा देश जुड़ गया है। 2014 तक मात्र पौने 3 करोड़ बैंक खाते थे, लेकिन वित्तीय समावेश के लिए प्रधानमंत्री जनधन योजना की शुरूआत की गई और इस योजना के तहत 45.41 करोड़ बैंक खाते खोले जा चुके हैं और इनमें 1,67,145.80 करोड़ रुपए जमा हैं।

'मेक इन इंडिया' और 'पी.एल.आई. स्कीम' के कारण वस्तुओं के निर्यात में 100 अरब डॉलर से अधिक की बढ़ौतरी हुई। वर्ष 2013-14 में 312 अरब डॉलर का निर्यात किया गया था और जो वर्ष 2021-22 में आर.बी.आई. के आंकड़ों के अनुसार 421 अरब डॉलर का रहा। डिजिटलाइजेशन में आज दुनिया का 40 प्रतिशत डिजिटल ट्रांजैक्शन भारत में हो रहा है। मोबाइल का चिप कभी हम दूसरे देशों से आयात करते थे, आज हम इसके उत्पादन में दुनिया में दूसरे नंबर पर हैं। कई दशक तक भारत खाद्यान्न के मामले में आयात पर निर्भर था, लेकिन 2022 में यह तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। आज भारत दुनिया को खाद्यान्न निर्यात कर रहा है। निर्यात के बढ़ने से देश के किसानों को कई प्रकार से फायदा हुआ। नरेंद्र मोदी के शासनकाल में भारत कई प्रकार के खाद्य पदार्थों का पहला या दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व के कारण देश में जनकल्याणकारी और विकास कार्य भी जारी हैं। साथ ही देश की अर्थव्यवस्था भी लगातार मजबूत होती जा रही है। देश की सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिली है, आज हमारे सैनिक सशक्त और सुरक्षित हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी भारत ने कीर्तिमान स्थापित किया है।

कुल मिलाकर देखें तो एक तरफ एक-एक नागरिक को बुनियादी सुविधा देते हुए देश को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए मोदी सरकार अपनी कुशलता का परिचय दे रही है। हम यह भी कह सकते हैं कि भारत को आर्थिक दृष्टि से स्वतंत्रता आजादी के अमृतकाल में ही मिली है। इसमें आर्थिक दृष्टि से हम स्वाबलंबी और आत्मनिर्भर बने हैं। आज हर भारतीय को देश की बुलंद अर्थव्यवस्था पर गर्व है।

पंजाब केसरी

जालंधर, R.N.I. Regd. No. 10117/65, पोस्टल रजि. नं. Pb/JL-192/2021-23

जालन्धर हैड ऑफिस: 0181-5067200/1, 2280104/7.

Toll Free No. 18001371800

फैक्स : 0181-2280111-14, 5063750, 5030036.

विज्ञापन : 0181-5067263, 5067253.

advt@punjabkesari.in, news@thepunjabkesari.com

सर्कुलेशन : 0181-5067251, 98151-65655.

स्वत्वाधिकारी हिंद समाचार लिमिटेड सिविल लाइन्स, जालन्धर के लिए मुद्रक, प्रकाशक तथा सम्पादक आर.एस. जौली® द्वारा पंजाब केसरी प्रिंटिंग प्रैस, स्वदेश प्रिंटिंग प्रैस जालन्धर से मुद्रित तथा सिविल लाइन्स, जालन्धर से प्रकाशित।

® इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी।